

**आईआईएम अहमदाबाद में बृज दीसा डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) केंद्र का शुभारंभ**

*उद्योगों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों के अनुसंधान एवं ज्ञान सृजन के लिए एक मंच के रूप में सेवा प्रदाता केंद्र*

**अहमदाबाद, 16 अगस्त, 2021**: प्रमुख वैश्विक प्रबंध संस्थान, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद ने बृज दीसा डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) केंद्र (सीडीएसए) के शुभारंभ की घोषणा की। इस केंद्र के लिए कोटक महिंद्रा समूह के संयुक्त प्रबंध निदेशक श्री दीपक गुप्ता द्वारा योगदान दिया गया है।

यह केंद्र डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अग्रणी अनुसंधान करेगा जो व्यवसायों, शासन और नीति निर्माण का समर्थन करेगा। इस केंद्र का उद्देश्य वर्तमान उद्योग के तरीकों को समझने एवं कक्षा शिक्षण के लिए केस अध्ययन विकसित करने के अलावा केस-आधारित अनुसंधान करके डेटा-गहन संगठनों में विद्वानों और प्रशिक्षुओं के बीच सहक्रियात्मक और सहयोगी संबंध बनाना है।

केंद्र के शुभारंभ की घोषणा करते हुए **आईआईएमए के निदेशक, प्रोफ़ेसर एरोल डि’सूज़ा** ने कहा, "*डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया भर के व्यवसायों को तेजी से प्रभावित कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हमारे जीवन का एक अनिवार्य अंग बन गया है। व्यवसायों में वृद्धि के लिए इन उन्नत तकनीकों की शक्ति का उपयोग करने के लिए, विभिन्न हितधारकों को एक ही मंच पर एक साथ लाना, चुनौतियों की पहचान करने गहन शोध करना, क्षमता निर्धारित करना और प्रभावशाली अंतर्दृष्टि प्रदान करना आज के समय की माँग है। आईआईएमए में डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिसमें यह ज्ञान का सृजन करेगा जो अपने योगदान के माध्यम से व्यवसाय और सामाजिक उन्नति में बड़े पैमाने पर वृद्धि करेगा।*"

प्रासंगिक हितधारकों को जोड़ने के अलावा, डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र (सीडीएसए) संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों के माध्यम से संस्थान के दायरे के भीतर और बाहर व्यापक दर्शकों के ज्ञान के प्रसार के लिए भी उत्तरदायी रहेगा।

केंद्र के लक्ष्यों के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए **सीडीएसए के सह-अध्यक्ष, प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा** ने कहा, "*हम इस केंद्र को डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित करना चाहते हैं। इस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के व्यावहारिक अनुप्रयोग पर गहन शोध करना और उससे उत्पन्न ज्ञान को साझा करना है। हमारा उद्देश्य उद्योगों के साथ जुड़ना और तालमेल स्थापित करना भी है जो छात्रों को स्वस्थ तकनीकी प्रदर्शन और प्रशंसनीय समाधान पेश कर सकता है जिसका उपयोग उद्योगों और शिक्षाविदों द्वारा किया जा सकेगा।*"

**सीडीएसए के सह-अध्यक्ष प्रोफ़ेसर अनिंद्य एस. चक्रवर्ती** ने डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की करीबी आवश्यकता के बारे में बताया। "*विज्ञान का एक क्षेत्र होने के नाते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने हमारे दैनिक जीवन के अभिन्न अंग के रूप में परिवर्तन किया है। डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति को अविलंब काम में लेने की जरूरत है। यह ना केवल व्यवसायों के लिए बल्कि सामाजिक जरूरतों के लिए भी महत्वपूर्ण परिवर्तक हो सकता है।* प्रोफ़ेसर चक्रवर्ती ने कहा कि यह केंद्र ऐसी अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा जो नीति निर्माताओं के लिए अत्यधिक मूल्यवान हो सकती है।

यह केंद्र उद्योग के दिग्गजों के सहयोग से अत्यंत व्यावहारिक महत्व की चुनौतीपूर्ण परामर्श परियोजनाओं को भी शुरू करेगा। इस केंद्र की प्रमुख विशेषताओं में से एक देश के डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उद्योग पर एक विस्तृत वार्षिक रिपोर्ट है, जो उद्योग का समग्र दृष्टिकोण प्रदान करेगी, चुनौतियों और कमियों की पहचान करेगी, उद्योगों के दायरे का आकलन करेगी और प्रशंसनीय समाधान प्रदान करेगी।

**सलाहकार समिति के सदस्य:**

इस केंद्र की सलाहकार समिति में सांता क्लारा विश्वविद्यालय के लीवी व्यवसाय स्कूल में विलियम और जेनिस टेरी फ़ाइनेंस के प्रोफ़ेसर संजीव दास; सुनील गुप्ता, एडवर्ड डब्ल्यू. कार्टर, व्यवसाय प्रबंधन के प्रोफ़ेसर, एवं हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में ड्राइविंग डिजिटल स्ट्रैटेजी पर कार्यकारी कार्यक्रम के सह-अध्यक्ष; तिज़ियाना दी मात्तेओ, किंग्स कॉलेज, लंदन में गणित विभाग में इकोनोफिज़िक्स के प्रोफ़ेसर शामिल हैं।

**आईआईएम अहमदाबाद के बारे में:**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एक प्रमुख, वैश्विक प्रबंध संस्थान है जो प्रबंध शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सबसे आगे है। अपने अस्तित्व के 60 वर्षों में, इसे अपने विशिष्ट शिक्षण, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, भविष्य के अग्रणियों के पोषण, उद्योग, सरकार, सामाजिक उद्यम का समर्थन करने और समाज पर एक प्रगतिशील प्रभाव पैदा करने के माध्यम से छात्रवृत्ति, अभ्यास और नीति में अनुकरणीय योगदान के लिए स्वीकृत किया गया है।

आईआईएमए की स्थापना 1961 में सरकार, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों द्वारा एक अभिनव पहल के रूप में की गई थी। तब से, यह अपने वैश्विक पदचिह्न को मजबूत करता रहा है और आज इसका 80 से अधिक शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और दुबई में उपस्थिति के साथ एक नेटवर्क है। इसके प्रतिष्ठित संकाय सदस्य और लगभग 40,000 पूर्वछात्र, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रभावशाली पदों पर हैं, वे भी इस संस्थान की वैश्विक मान्यता में योगदान कर रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, आईआईएमए के अकादमिक रूप से श्रेष्ठ, बाजार संचालित और सामाजिक रूप से प्रभावशाली कार्यक्रमों ने विश्व स्तर पर उच्च प्रतिष्ठा और प्रशंसा अर्जित की है। यह इक्विस से अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बना हुआ है। प्रबंध में प्रसिद्ध दो-वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) को एफ़टी प्रबंधन मास्टर रैंकिंग 2020 में 20वाँ स्थान दिया गया है और कार्यकारी अधिकारियों के लिए एक-वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) को एफ़टी वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2021 में 48वाँ स्थान दिया गया है। संस्थान को भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एआईआरएफ़), भारतीय रैंकिंग 2020 में भी प्रथम स्थान पर रखा गया है। आईआईएमए व्यापार जगत के अग्रणियों, नीति निर्माताओं, उद्योग व्यावसायियों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, सशस्त्र सेना बल कर्मियों, कृषि-व्यवसाय और अन्य प्रमुख क्षेत्रों के विशेषज्ञों और उद्यमियों के सहित खुले नामांकन प्रारूपों में 200 से अधिक संसाधित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम और परामर्शन सेवाएँ प्रदान करता है। आईआईएमए के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया देखें: <https://www.iima.ac.in/>

**मीडिया से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए, कृपया इन से संपर्क करें:**

सुश्री सोफिया क्रिस्टीना | आईआईएमए | ईमेल: [gm-comm@iima.ac.in](mailto:gm-comm@iima.ac.in)

सुश्री सुनीता अरविंद | आईआईएमए | +91-7069074816 | ईमेल: [pr@iima.ac.in](mailto:pr@iima.ac.in)